

आग से सुरक्षा



आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ

डॉ० रघुनन्दन सिंह टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी
नैनीताल

फोन नं०: 05942-239114, 235011, 236149

फैक्स नं०: 05942-239114

ई-मेल: dmcuaoantl@gmail.com

आग से सुरक्षा: जागरूकता ही बचाव है।

आग कैसे लगती है?

आग एक रासायनिक प्रक्रिया है जिसके लिए तीन चीजों का सही मात्रा में एक साथ होना आवश्यक है :

1. **ईंधन (Fuel)** : कोई भी ज्वलनशील पदार्थ, जैसे लकड़ी, तेल, गैस, कागज, कपड़े, आदि।
2. **ऑक्सीजन (Oxygen)** : हवा में लगभग 21% ऑक्सीजन होती है, लेकिन आग के लिए केवल 16% की जरूरत होती है।
3. **गर्मी (Heat)** : यह ईंधन को इतना गर्म करती है कि वह जलना शुरू कर दे।

घर पर आग से बचाव के उपाय

रसोईघर में सुरक्षा :

- हमेशा लाइटर का इस्तेमाल करके ही गैस जलाएँ।
- खाना पकाते समय रसोई न छोड़ें। अगर जाना जरूरी हो तो चूल्हा बंद कर दें।
- ढीले-ढाले या सिंथेटिक कपड़े पहनकर खाना न बनाएँ।
- जलते या गर्म चूल्हे पर सीधे तेल या घी न डालें।
- गैस के चूल्हे के पास लटकने वाले परदे न लगाएँ।
- गर्म बर्तन को कपड़े से न पकड़ें इसकी जगह तौलिया या दस्तानों (Mitten) का इस्तेमाल करें।
- खाना बनाने के बाद रेगुलेटर को हमेशा बंद करें।

बिजली के उपकरणों के साथ सुरक्षा :

- एक ही स्विच पर अधिक लोड न डालें।
- बिजली के हीटर, प्रेस, या अन्य गर्म होने वाले उपकरणों को जलने वाली चीजों (जैसे लकड़ी, कपड़े) से कम से कम 3 फीट दूर रखें।
- ज्वलनशील चीजों को मेन स्विच से दूर रखें।
- तारों को नुकिली जगह या आवाजाही वाले रास्ते से न ले जाएँ।

- बिजली के उपकरणों के लिए उनकी क्षमता के अनुसार सही प्लग, सॉकेट, और तार का इस्तेमाल करें।
- जलते हुए हीटर या प्रेस को कभी भी अकेला न छोड़ें।
- बिजली की चिंगारी या कोई और समस्या होने पर, केवल जानकार व्यक्ति से ही ठीक करवाएँ।
- सबसे महत्वपूर्ण बिजली से लगी आग को कभी भी पानी से न बुझाएँ।

अन्य सावधानियाँ :

- बिस्तर पर सिगरेट न पिएँ।
- पूजा का दिया या अगरबत्ती सुरक्षित जगह पर रखें।
- सोते समय या लेटे हुए बीड़ी-सिगरेट का सेवन न करें।
- साल में एक बार चिमनी (धुआँ निकलने की जगह) जरूर साफ करवाएँ।
- गैस लीक होने पर तुरंत खिड़की-दरवाजे खोल दें, रेगुलेटर बंद करें, और बिजली के स्विच को हाथ न लगाएँ। अगर बदबू बहुत तेज हो तो तुरंत बाहर निकलें और फायर ब्रिगेड को बुलाएँ।

आग लगने पर क्या करें?

- सबसे पहले अपनी जान बचाएँ, सामान नहीं।
- आग लगने पर खड़े न हों, जमीन पर झुककर या घुटनों के बल चलें, क्योंकि धुआँ ऊपर उठता है।
- अगर आपके कपड़ों में आग लग जाए तो भागें नहीं, इससे आग और फैलेगी। जमीन पर लेटकर लुढ़कें (Roll) ताकि आग बुझ जाए।
- शरीर के जले हुए हिस्से को कम से कम 20 मिनट तक ठंडे पानी में रखें।
- जले हुए हिस्से पर ग्रीस या मलहम न लगाएँ।
- तुरन्त मदद के लिए इन नंबरों पर कॉल करें :
 - फायर स्टेशनरू 101
 - पुलिस : 100/112
 - चिकित्सा सहायता : अपने पारिवारिक डॉक्टर का नंबर रखें।

बच्चों के लिए सुरक्षा

- बच्चों को माचिस या मोमबत्ती से खेलने न दें।
- पटाखों का इस्तेमाल बड़ों की निगरानी में ही करें।
- बच्चों को हीटर या जलती हुई चीजों के पास अकेला न छोड़ें।
- उन्हें आग से जुड़ी सावधानियों के बारे में समझाएँ।

याद रखें :

आग से सुरक्षा का जो रखे ख्याल, सुरक्षित रहे जान और माल।

जो बचाए अपना अंग, सारी खुशियाँ उसके संग।